गैरसैंण, सोमवार
10 मार्च 2025
वर्षः 16
अंकः 285 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सिडकुल में चार घंटे बिजली बंद, 20 फीसदी उत्पादन ठप

हरिद्वार। ऊर्जा निगम ने रविवार को उत्तराखंड राज्य औद्योगिक विकास निगम (सिडकुल) क्षेत्र में चार घंटे की बिजली कटौती की। जिससे उद्योगों में 20 फीसदी उत्पादन प्रभावित रहा। अलग–अलग फीडरों में दो–दो घंटे की कटौती की गई। मालूम हो कि बिजली की लाइनों में मरम्मत के काम के चलते रविवार को कटौती की गई थी। रविवार को सिडकुल उपकेंद्र से पोषित 33 केवी लाइन नंबर 10 सेक्टर 07 फीडर, 33 केवी लाइन नंबर 11 आईपी 02 फीडर, 33 केवी लाइन नंबर 12 अल्टीमेट फीडर, 33 केवी लाइन नंबर 14 फाइव बी फीडर और 33 केवी लाइन नंबर 15 फ्रेशपेट फीडर को ऊर्जा निगम मरम्मत काम के लिए बंद किया गया। इसके साथ ही फीडरों में स्थापित 50 एमवीए परिवर्तक, 25 एमवीए परिवर्तक और 33 केवी मेन बस की मरम्मत के काम किए। मरम्मत काम के लिए सेक्टर सात, आईपी 02 और अल्टीमेट फीडर से सुबह 10 बजे बिजली की सप्लाई बंद रही। मरम्मत काम पूरा होने के बाद दोपहर 12 बजे तीनों फीडरों से ऊर्जा निगम बिजली की सप्लाई सुचारु हो सकी।साथ ही फाइव बी फीडर और फ्रेशपेट फीडर को मरम्मत काम के लिए दोपहर 12 बजे बंद किया जाएगा। काम पूरा होने के बाद दोनों फीडरों से दोपहर 02 बजे बिजली की आपूर्ति चालू होगी। मालूम हो कि रविवार को सिडकुल के करीब 80 फीसदी उद्योग बंद रहते है, लेकिन 20 फीसदी उद्योगों में उत्पादन रविवार को भी जारी रहता है। बिजली कटौती के दौरान क्षेत्र के 20 फीसदी उद्योगों में उत्पादन प्रभावित रहा। कटौती के दौरान उद्योगों ने अपने स्तर से बिजली और पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी।इधर, अधिशासी अभियंता दीपक सैनी ने बताया कि मरम्मत काम के लिए उपकेंद्र सिडकुल के पांच फीडरों को रविवार को बंद किया था। मरम्मत काम पूरा होने के बाद फीडरों से बिजली की सप्लाई सुचारु की गई। उद्यमियों को पूर्व में सूचना उपलब्ध कराई गई थी। मेंटिनेंस काम होने के बाद उद्यमियों की बिजली कटौती, लो वोल्टेज आदि समस्याओं का स्थाई समाधान किया गया है।

डीजे पर डांस कर रही महिलाओं से बदसलूकी

काशीपुर। डीजे पर डांस कर रहीं महिलाओं से बदसलूकी करने को मना किया तो चार युवकों ने उसके अगले दिन एक युवक पर तलवार से हमलाकर लहुलुहान कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शनिवार की रात केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम तीरथनगर राजू पुत्र शिवराज ने कहा कि चार मार्च की रात उसकी शादी का प्रतिभोज कार्यक्रम था। कार्यक्रम में मेहमानों के साथ गांव के लोगों को भी आमंत्रण दिया गया था। रात को गांव के ही संजय कुमार पुत्र सुभाष भी पार्टी में पुहंच गया। उसके साथ उसके दो साथी नशे में धुत्त होकर आए थे। आरोप है कि रात करीब 12 बजे कार्यक्रम में परिवार की महिलाएं डीजे पर डांस कर रही थीं। इसी समय संजय कुमार व उसके दोनों साथियों ने महिलाओं के साथ बदसलूकी करना शुरू कर दिया। उस समय परिवारजन, अजीत कुमार एवं अन्य मेहमानों ने संजय व उसके दोनों साथियों को कार्यक्रम से निकाल दिया। आरोप है कि संजय व उसके दोनों साथियों ने उसे व उसके परिवार को धमकी दी थी।

राहुल गांधी की बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं : अर्जुन राम मेघवाल

बीकानेर ,लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस के कुछ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मिले हुए हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि वो क्या कहते हैं और क्या करते है, ये सब जानते है। उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता है। मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी की बातों को कांग्रेस वाले ही गंभीरता से नहीं लेते, इसलिए दूसरों को भी उनकी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

आरोप लगाने से पहले राहुल गांधी को सोचना चाहिए कि वह क्या बोल रहे हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने रविवार को बीकानेर में आयोजित मजदूर संघ के दूसरे दिन के अधिवेशन में भाग लिया।

भारत बना चैंपियनः लगातार दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीता भारत

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में कीवियों को हराया भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला खेला गया। यह मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया। भारत पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 251 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने छह विकेट गंवाकर 49 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

बड़ा हादसाः नहर में डूबने से तीन बच्चियों की मौत, दो शव बरामद

ढीमरखेड़ा(कटनी) ,जिले के ढीमरखेड़ा के एक गांव में बड़ा हादसा हो गया। नहाने के दौरान नर्मदा नहर में डूबने से तीन बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। दो शव बरामद कर लिया है। एसडीआरएफ की टीम तीसरे शव की तलाश कर रही है। इस हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। दरअसल घटना कटनी जिले की ढीमरखेड़ा तहसील के परसवारा गांव की है जहां तीन बच्चियों की नर्मदा नहर में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। बच्चियों की नहर में डूबने की खबर से क्षेत्र में हडकंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो बच्चियों के शवों को नहर से बाहर निकाल लिया है तीसरी बच्ची की तलाश जारी है। नहर में डूबने वाली बच्चियों में सिद्धि पटेल 12 साल, अंशिका पटेल 14 साल है। सिद्धि की छोटी बहन मानवी पटेल 8 साल की तलाश जारी है। तहसीलदार अजय मिश्रा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा है। दो बच्चियों को नहर से निकाल लिया गया है एसडीआरएफ की टीम नहर में डूबने वाली तीसरी बच्ची की तलाश कर रही हैं।

चम्बा में 300 फुट खाई में गिरी कार, 3 लोगों की मौत, 3 गंभीर घायल

चम्बा ,भरमौर–चम्बा–पठानकोट एनएच पर कैरू पहाड़ में एक कार सडक़ से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में कार में सवार 3 लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार रविवार को हिमाचल व जम्मू की सीमा के साथ सटे गांव बेही डेडरा डाकघर हट तहसील बहसौली जिला कठुआ से एक परिवार के 5 लोग कार चालक शंकर कुमार के साथ कार (जेके 08पी–7325) में सवार होकर वाया खैरी होते हुए पंजाब के दुनेरा में दवाई के लिए रवाना हुए थे। जब इन लोगों का वाहन कैरू पहाड़ के पास पहुंचा तो चालक ने कार से अपना नियंत्रण खो दिया। इसके चलते कार अनियंत्रित होकर करीब 300 फुट गहरी खाई में जा गिरी। इस घटना की सूचना वाहन चालकों द्वारा स्थानीय लोगों व पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस दल व प्रशासन के कर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन खाई में गिरी कार तक पहुंचने का रास्ता न होने के कारण स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोग व पुलिस दल जब घटनास्थल पर पहुंचे तो एक बच्चे और व्यक्ति की मौके पर ही मृत अवस्था में पाया जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए पाए गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस दल ने सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अस्पताल ले जाते हुए एक महिला की भी मौत हो गई। वहीं तीन घायलों की स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद टांडा रैफर कर दिया गया है। पुलिस ने हादसे में मारे गए 3 लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल चुवाड़ी भेज दिए हैं तथा घायल हुए एक व्यक्ति के बयान दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

उत्तराखंड में सर्वप्रथम समान नागरिक संहिता लागू किये जाने पर मुख्यमंत्री धामी का गजरौला, उत्तर प्रदेश में हुआ सम्मान

जाति, धर्म, लिंग के आधार पर होने वाले कानूनी भेदभाव को खत्म करने का संविधानिक उपाय है यूसीसी : मुख्यमंत्री

देहरादून। उत्तराखंड में सर्वप्रथम समान नागरिक संहिता लागू किये जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सम्मान में रविवार को वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी परिसर, गजरौला, उत्तर प्रदेश में अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहित लागू करने पर उन्हें दिया गया सम्मान उत्तराखंड की सवा करोड़ देवतुल्य जनता का सम्मान है। जिस जनता ने उन्हें ऐतिहासिक निर्णय लेने के योग्य बनाया।मुख्यमंत्री ने कहा कि यूसीसी लागू होना भारत के संविधान की आत्मा को साकार करने का उत्सव है। यूसीसी लागू करने का सम्मान संविधान निर्माताओं का सम्मान है, जिन्होंने संविधान में समान नागरिक संहिता की कल्पना को स्थान देकर एक समरस समाज का सपना देखा था। उन्होंने कहा 2022 विधानसभा चुनावों में उत्तराखंड की जनता ने मिथक तोड़कर दूसरी बार राज्य में भाजपा की सरकार बनाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। जब भारत विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा, उस समय देश के सभी नागरिकों के अधिकारों में भी समानता होगी, जिसकी शुरुआत उत्तराखंड से हो गई है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में राज्य में यूसीसी लागू हो पाई है। सम्मान नागरिक संहिता, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के सपनों को भी साकार करती है। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता को जाति, धर्म, लिंग के आधार पर होने वाले कानूनी भेदभाव को खत्म करने का संविधानिक उपाय बताया। उन्होंने कहा यूसीसी लागू होने से राज्य के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के नए अध्याय की शुरुआत हुई है। यूसीसी के माध्यम से उत्तराखंड की मुस्लिम बहन–बेटियों को भी हलाला, बहुविवाह, बाल विवाह और तीन तलाक जैसी कुरीतियों से मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा अब उत्तराखंड राज्य में महिलाएं को उत्तराधिकार या संपत्ति के अधिकार में भेदभाव का शिकार नहीं होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा समान नागरिक संहिता से न्यायिक प्रक्रिया सरल और तेज होगी। यह कानून लाखों महिलाओं के अधिकारों का सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा यूसीसी को उत्तराखंड में लागू करने के बाद कई मुस्लिम महिलाओं ने उनका धन्यवाद किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा समान नागरिक संहिता किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं, बल्कि ये समाज की कुप्रथाओं को मिटाकर सभी नागरिकों में समानता से समरसता स्थापित करने का एक कानूनी प्रयास है। इस कानून के माध्यम से किसी भी धर्म की मूल मान्यताओं और प्रथाओं को नहीं बदला गया है। उन्होंने कहा विश्व के प्रमुख मुस्लिम देशों सहित दुनिया के सभी सभ्य देशों में पहले से ही समान नागरिक संहिता लागू है।

क्रिकेटर सुरेश रैना के रिश्तेदारों की हत्या करने वाला असद मुठभेड़ में ढेर

मथुरा , हाईवे पुलिस की सक्रियता से मथुरा शहर में एक बड़ी वारदात टल गई। रविवार तडक़े पुलिस मुठभेड़ में 1 लाख रुपए के इनामी छैमार गिरोह के सरगना फाती उर्फ असद को ढेर कर दिया गया। मुठभेड़ मथुरा शहर में हुई। पुलिस के अनुसार, फाती किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। उसके दो साथी मुठभेड़ से भागने में सफल रहे, और पुलिस की तीन टीमें शहर और ग्रामीण इलाकों में उनकी तलाश कर रही हैं। एसएसपी शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ बदमाश शहर में किसी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलने पर, हाईवे पुलिस ने कृष्ण कुंज कॉलोनी में फाती और उसके साथियों को घेर लिया। तडक़े सुबह बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में फाती गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी भाग निकले। घायल बदमाश को अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक बदमाश की पहचान फाती उर्फ असद के रूप में हुई है, जो हापुड़ जिले के गढ़ मुक्तेश्वर का रहने वाला था। उस पर लूट, डकैती और हत्या सहित तीन दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। मथुरा में भी वह कई मामलों में वांछित था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, असद पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू–कश्मीर में 18 मामले दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि असद 2020 में पठानकोट में हुई डकैती और हत्याओं में भी शामिल था, जिसमें भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना के बुआ, फूफा और उनके बेटे की जान चली गई थी।

नैनीडांडा के ग्राम जमुण में बाघ ने महिला को बनाया निवाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नैनीडांडा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जमुणा में बाघ ने एक महिला को अपना निवाला बना दिया। सूचना के बाद कालागढ़ टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट वन प्रभाग की टीम मौके पर पहुंची।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटे ग्राम जमूण निवासी अजय भदूला ने बताया कि गांव के ही राजू भदूला की पत्नी गुड्डी देवी (55) को बाघ घर के आंगन से उठा ले गया। बताया कि काफी तलाश के बाद घर से कुछ दूर झाड़ियों में गुड्डी देवी का अधखाया शव मिला। उन्होंने बताया कि गांव में लंबे समय से बाघ का आतंक है। इस संबंध में कई बार वन विभाग को भी सूचित किया गया। लेकिन, विभाग ने सुध नहीं ली। इधर, कालागढ़ टाइगर रिजर्व फारेस्ट वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी राहुल मिश्रा ने बताया कि ग्राम जमुण में महिला पर वन्य जीव के हमले की सूचना के बाद संबंधित वन क्षेत्राधिकारी को मौके पर भेजा गया है। बताया कि प्रभावित क्षेत्र में टीम से संपर्क न हो पाने के कारण पूरी स्थिति की जानकारी नहीं मिल पा रही है। समाचार लिखे जाने तक विभागीय टीम गांव में ही थी।

मां ने ही गला दबाकर की दोनों मासूमों की हत्या

हरिद्वार। ज्वालापुर में छह माह की जुड़वा बहनों की संदिग्ध हालात में मौत की गुत्थी पुलिस ने सुलझा दी है। पुलिस के अनुसार, मां ने ही अपनी मासूम बेटियों की गला दबाकर बेरहमी से हत्या की थी। बेटियों के लालन–पालन में आ रही परेशानी के कारण उसने यह कदम उठाया। ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने दोहरे हत्याकांड की आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि सिडकुल की एक औद्योगिक इकाई में कार्यरत महेश सकलानी पुत्र रामदेव सकलानी निवासी गावं हवेली थाना चंम्बा टिहरी गढ़वाल हाल निवासी धीरवाली की छह माह की मासूम बेटियां इशानी और स्नेहा की गुरुवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। महेश ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को वह ड्यूटी गए थे। उनकी पत्नी शिवांगी दूध लेने दुकान में गई थी, वापस लौटने पर बेटियों के अचेतअवस्था में मिलने पर वह चंद्राचार्य चौक क्षेत्र के एक निजी अस्पताल ले गई थी, जहां चिकित्सकों ने मासूमों को मृत घोषित कर दिया था। एसएसपी ने बताया कि महेश ने बेटियों की हत्या का संदेह जताते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एसपी सिटी पंकज गैरोला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छानबीन की, जिसमें बच्चियों की मां शिवांगी से जब सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने सच बता दिया। एसएसपी ने बताया कि मां ने बेटियों की हत्या करने का गुनाह कबूल करते हुए बताया कि उसकी बेटियां अक्सर रोती रहती थीं। इससे वह परेशान हो गई थीं। परिजन भी उनके साथ नहीं रहते थे। ऐसे में बच्चियों को पालने में दिक्कतें आ रही थीं। उसका चिड़चिड़ापन बढ़ गया था। गुस्से में आकर पहले उसने रजाई से बेटियों की सांस रोकनी चाही, लेकिन सफल नहीं हुई। इसके बाद उसने दुपट्टे से गला दबाकर दोनों को मार डाला। एसएसपी ने बताया कि आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दम घुटने से 4 मजदूरों की हुई मौत, अंडरग्राउंड वाटर टैंक की सफाई के दौरान हुआ हादसा

मुंबई , मुंबई के नागपाड़ा इलाके में रविवार को एक दर्दनाक घटना हुई, जिसमें एक निर्माणाधीन इमारत के पानी के टैंक की सफाई करते समय दम घुटने से चार श्रमिकों की मौत हो गई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार, यह दुखद घटना दोपहर लगभग 12:29 बजे मिंट रोड पर गुड लक मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास स्थित बिस्मिल्लाह स्पेस बिल्डिंग में हुई।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वे तुरंत हरकत में आए और बचाव दल को मौके पर भेजा गया।

कर्मचारियों को पानी की टंकी से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए जेजे अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उनमें से चार को मृत घोषित कर दिया। मुंबई पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा डिमटीमकर रोड पर मस्तान तालाब के पास स्थित बिस्मिल्लाह स्पेस नामक निर्माणाधीन इमारत में हुआ। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 11:00 से 11:30 बजे के बीच चार मजदूर भूमिगत पानी की टंकी में किसी काम के लिए उतरे थे, जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

घरेलू एवियशन सेगमेंट में भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार : राजनाथ

नई दिल्ली ,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढऩे वाला एविएशन मार्केट है। भारत इस समय दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। पिछले दशक में देश में विमानों की संख्या 400 से बढक़र 800 से ज्यादा हो गई है, और हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढक़र 159 हो गई है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि एयर एंबुलेंस, कार्गो आदि के क्षेत्र में भी देश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान देश के उच्चतम मेडिकल संस्थानों में से एक है। यह दक्षिण–पूर्व एशिया में एयरोस्पेस मेडिसिन का एकमात्र पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि इस इंस्टीट्यूट ने एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर से लेकर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस तक के डिजाइन और डेवलपमेंट में अपना अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई निजी अंतरिक्ष एजेंसियां अब अंतरिक्ष मिशनों को अंजाम दे रही हैं। वैसे तो यह उनके लिए बड़ा अवसर है, लेकिन उनके सामने कई नई चुनौतियां भी आएंगी। ऐसे में उन एस्ट्रोनॉट तक भी एयरोस्पेस मेडिसिन की सुविधाएं पहुंचाने और उनके सामने आने वाली नई चुनौतियों की ओर पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से एक हैं। उन्हें अनुकूल वातावरण प्रदान करना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इंडियन एयर फोर्स के हमारे बहादुर योद्धाओं को नमन करता हूं। इंडियन एयर फोर्स का शौर्य और पराक्रम अतुलनीय है।

मंगलौर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम का छापा

केमिकल से बना एक क्विंटल नकली पनीर पकड़ा, फैक्टरी सील

खाद्य सुरक्षा विभाग की क्यूआर (क्विक रिस्पोंस) टीम ने रविवार को मंगलौर–देवबंद मार्ग पर स्थित एक फैक्टरी पर छापा मारकर केमिकल से बना एक क्विंटल तैयार नकली पनीर बरामद किया है। इसके अलावा रिफाइंड, केमिकल व उपकरण भी मौके से मिले हैं। नकली पनीर के नमूने लेने के बाद उसे नष्ट करा दिया गया है। वहीं केमिकल और रिफाइंड को जब्त किया गया है। पनीर, केमिकल, रिफाइंड आदि के सैंपल जांच को भेजे जा रहे हैं। फैक्टरी को सील कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना मिल रही थी कि मंगलौर क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहीं कुछ फैक्टरियों पर नकली पनीर तैयार किया जा रहा है। यहां से रोजाना भारी मात्रा में पनीर तैयार अन्य शहरों के प्रतिष्ठानों में सप्लाई किया जाता है। रविवार को खाद्य सुरक्षा की क्यूआर टीम ने वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेंद्र पाण्डेय व दिलीप जैन के नेतृत्व में रविवार सुबह मंगलौर–देवबंद मार्ग पर एक फैक्टरी पर छापा मारा। टीम को मौके पर फैक्टरी का मालिक बाबर नहीं मिला। सिर्फ चार कर्मचारी मौजूद थे। निरीक्षण में पनीर निर्माण स्थल पर खाली पेंट के एक डिब्बे में लगभग एक हजार एमएल केमिकल और चार टीनों में खुला रिफाइंड मिला। इनसे पनीर बनाया जा रहा था। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रावधानों का पालन भी नहीं कराया जा रहा था। वहीं फूड लाइसेंस के बिना पनीर बनाया जा रहा था। मौके पर पनीर, रिफाइंड और केमिकल का एक–एक नमूना जांच के लिए लिया गया। एक डीप फ्रिजर में लगभग एक क्विंटल पनीर रखा हुआ मिला। जिसे रिफाइंड तेल और केमिकल से बनाने पर गड्ढा खुदवाकर मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। रिफाइंड तेल और केमिकल को भी नष्ट करा दिया गया। टीम ने पुलिस की मौजूदगी में फैक्टरी को सील कर दिया है। फैक्टरी स्वामी बाबर के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मौके पर आवश्यक दस्तावेज, पानी की रिपोर्ट, फूड टेस्ट रिपोर्ट, वर्करों के मेडिकल आदि नहीं दिए गए।

अमेरिका के लिए कृषि उत्पादों का बाजार खोलने के पक्ष में नहीं भारत

नई दिल्ली। ट्रंप प्रशासन के दबाव के बावजूद भारत अमेरिका के लिए कृषि उत्पादों का बाजार खोलने के पक्ष में नहीं दिख रहा है। भारत की 70 करोड़ से अधिक आबादी अब भी कृषि पर निर्भर करती है और किसानों के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा करना भारतीय अर्थव्यवस्था के हक में नहीं होगा। अमेरिका के कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को खोलने पर या उन उत्पादों पर शुल्क कम करने पर यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन भी ऐसा करने के लिए कह सकते हैं। इन दिनों यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए भारत की वार्ता चल रही है। यूरोपीय यूनियन चीज व अन्य दुग्ध उत्पादों पर शुल्क कटौती की मंशा पहले ही जाहिर कर चुका है।

प्रेमानंद महाराज को लेकर बड़ी खबर आई सामने, भक्तों में छाई निराशा

नई दिल्ली , प्रेमानंद महाराज ने अपनी पदयात्रा पर कुछ दिनो के लिए रोक लगा दी है। जानकारी के अनुसार यह फैसला होली के त्योहार और महाराज के स्वास्थ्य को लेकर लिया गया है। ऐसे में प्रेमानंद महाराज 10 मार्च से 14 मार्च तक पदयात्रा नहीं निकालेंगे। उन्होंने ये जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भजन मार्ग अकाउंट पर दी है। होली के मौके पर सडक़ों पर बहुत ज्यादा भीड़ दिखती है। ऐसे में प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया और अपील की गई कि इन दिनों प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए न आएं। श्री हित राधा केलि कुंज परिकर श्रीधाम वृंदावन की ओर से सूचना में लिखा गया, आप सभी प्रियजनों को सूचित किया जाता है कि होली के पावन पर्व के चलते और पूज्य महाराज जी के स्वास्थ्य की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए दिनांक 10 मार्च से 14 मार्च 2025, रात 02:00 बजे से पूज्य महाराज जी की पदयात्रा नहीं निकलेगी। आप सभी प्रियजनों से प्रार्थना है कि अगर आप दर्शन के लिए आ रहे हैं तो इन दिनों में दर्शन के लिए ना आएं।

सम्पादकीय

खुदकुशी की सिलसिले को रोकने की जरूरत

कभी राजस्थान का कोटा शहर जिसे प्री–इंजीनियरिंग एग्जाम और मेडिकल एंट्रेस टेस्ट के मामले में देशभर में डंका बजाने वाला माना जाता था, अब कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या का हब बनता जा रहा है। अभिभावक यह सोचकर अपने बच्चों को कोचिंग में अध्ययन करने के लिए कोटा भेजते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। वे इंजीनियरिंग अथवा डॉक्टरी की शिक्षा में एडमीशन ले सकेंगे, अपने बच्चों को वे तमाम तरह के सब्जबाग दिखाते हैं, लेकिन तमाम केस ऐसे हो रहे हैं कि बच्चा असफल होने पर आत्महत्या कर लेता है और अभिभावक हाथ मलते रह जाते हैं। जनवरी, 2025 में ही छह छात्रों के आत्महत्या कर लेने से एक बार कोटा फिर भयावह नजर आने लगा है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर कोटा में कोचिंग सेंटर्स में पढने् वाले छात्र असफल होने पर क्यों आत्महत्या कर लेते हैं। इसके लिए जिम्मेदार कौन है। आत्महत्याओं के बढ़ते आंकड़ों से लोग अब अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजने से कतराने लगे हैं। पिछले 10 साल में कम से कम 127 विद्यार्थियों की खुदकुशी के मामले सामने आए हैं, अब यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ रहा है। इसे सरकारी तंत्र की विफलता मानें या कोचिंग सेंटल संचालकों की उदासीनता, पढ़ाई का दबाव झेलने में नाकाम रहने वाले विद्यार्थियों की मौत का आंकड़ा थमता नजर नहीं आ रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकार ने ऐसे घटनाक्र्म रोकने के लिए प्रयास न किए हों। कई बार गाइडलाइंस जारी की गई हैं, लेकिन आत्महत्या का यह सिलसिला रु कता नजर नहीं आ रहा है। यक्ष प्रश्न यह है कि खुदकुशी के इस दर्दनाक खेल के लिए किसे कठघरे में खड़ा किया जा सकता है। आज हर माता–पिता चाहते हैं कि उनके बालक अच्छी से अच्छी सेवा में जाएं और उनका नाम रोशन करें। जो माता–पिता अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते हैं वे अपने बच्चों को कोटा के कोचिंग सेंटर्स से तैयारी कराते हैं। इसमें दो राय नहीं कि डॉक्टरी और इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए कोटा सवीत्तम हब माना जाता है।जाहिर है कि लोगों का ध्यान कोटा पर केंद्रित हो, लेकिन अभिभावक यह नहीं देखते कि उनका बच्चा इन दोनों पाठ्यक्र्मों के लायक है भी या नहीं। सभी बालक अतिकुशाग्र बुद्धि के नहीं होते। सभी की बौद्धिक क्षमता एक जैसी नहीं होती। ऐसे में बच्चों को स्वप्न दिखाकर कोटा में एडमीशन दिलाना उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करना ही है। तमाम बच्चे मध्यम और निचले वर्ग के भी होते हैं। उन्हें बताया जाता है कि कैसे शिक्षा प्राप्त कर उन्हें घर–परिवार का नाम रोशन करना है। जब वे इसमें असफल होते हैं तो नाकामी का दबाव उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है। बहुत से बच्चों पर घर का आर्थिक दबाव भी होता है। इस दबाव के चलते उनके कदम खुदकुशी की ओर बढ़ते हैं। स्पष्ट है कि इन आत्महत्याओं के लिए प्राथमिक तौर पर उनके अभिभावक ही दोषी होते हैं।दूसरे नंबर पर आते हैं कोचिंग सेंटर संचालक। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि शिक्षा व्यवसाय का रूप ले चुकी है। निम्न से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा में बड़ी रकम खर्च होती है। कोटा में जो कोचिंग सेंटर चल रहे हैं, उनमें भी मोटी रकम के लालच में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के प्रवेश ले लिये जाते हैं। भले ही उन कोचिंग सेंटर्स में छात्रों के बैठने तक की समुचित व्यवस्था न हो, लेकिन एडमिशन ले लिये जाते हैं। बाद में उनके बैठने आदि की वैकल्पिक अस्थायी व्यवस्था की जाती है।प्रवेश लेते समय सिर्फ बड़ी रकम देखी जाती है, बच्चे का मानसिक और बौद्धिक स्तर नहीं। बच्चा जेईई अथवा नीट एंट्रेंस क्लीयर कर पायेगा या नहीं, इस ओर कोई गौर नहीं किया जाता। कोचिंग सेंटर संचालक सिर्फ व्यवसाय कर रहे हैं। हम यह नहीं कहते कि वे अच्छी शिक्षा नहीं दे रहे, निश्चित रूप से दे रहे हैं, लेकिन यह देखने वाला कोई नहीं है कि बच्चे मानसिक रूप से यह शिक्षा ग्रहण कर भी पा रहे हैं या नहीं। बीच–बीच में उन्हें ताकीद कर दी जाती है कि वे पिछड़ रहे हैं और ज्यादा मेहनत करें, लेकिन कैसे, यह कोई नहीं बताता। शायद यही कारण है कि प्रशासन और सरकार ने जो गाइडलाइंस जारी की है, उसमें चयन समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है।

राज्यों में महिला श्रमबल भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने अपने हालिया शोध रिपोर्ट में बताया है कि 2017–18 से 2022–23 के बीच देश के सभी राज्यों में महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान ग्रामीण महिला श्रमबल भागीदारी दर 24.6 फीसदी से बढ़कर 41.5 प्रतिशत हो गयी, जो कि 69 फीसदी की वृद्धि है। दूसरी तरफ इस दौरान शहरी महिला श्रमबल दर 20.4 प्रतिशत से बढ़कर 25.4 फीसदी हो गयी, जो कि 25 फीसदी की ही वृद्धि है। इस बदलाव को इसलिए बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2004 से 2017 तक महिला श्रमबल भागीदारी दर में लगातार गिरावट आ रही थी। लेकिन महिला श्रमबल में आयी गिरावट पर जितनी चर्चा हुई, इसमें हुई वृद्धि पर उतनी बात नहीं हुई।रिपोर्ट ने इस आलोचना को खारिज कर दिया है कि महिला श्रमबल दर में यह वृद्धि अवैतनिक श्रम से संचालित है। इसके बजाय 2004–05 से 2022–23 तक घरेलू उद्यमों में अवैतनिक पारिवारिक श्रमिकों या सहायकों के रूप में काम करने वाली महिलाओं को बाहर कर देने के बाद भी महिला श्रमबल दर में वृद्धि हुई है और 2017–18 के बाद, यानी महामारी से पहले भी महिला श्रमबल दर में वृद्धि हुई। यह वृद्धि पिछले दशक में सरकार की ओर से उठाये गये कई कदमों

पिछले दशक में सरकार की ओर से उठाये गये कई कदमों का परिणाम है। इनमें से कई कदम खासकर ग्रामीण महिलाओं को लक्षित कर उठाये गये। इनमें से मुद्रा ऋण, ड्रोन दीदी योजना और दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को संगठित करने जैसे कदम प्रमुख हैं। हालांकि श्रमबल में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ने के मामले में राज्यों और क्षेत्रों के बीच अंतर है। जैसे, बिहार और झारखंड के ग्रामीण इलाकों में महिला श्रमबल दर में भारी वृद्धि हुई। पूर्वोत्तर के राज्यों में भी महिला श्रमबल में वृद्धि देखी गयी। हालांकि पंजाब और हरियाणा में महिला श्रमबल दर में अधिक वृद्धि नहीं हुई।

का परिणाम है। इनमें से कई कदम खासकर ग्रामीण महिलाओं को लक्षित कर उठाये गये। इनमें से मुद्रा ऋण, ड्रोन दीदी योजना और दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को संगठित करने जैसे कदम प्रमुख हैं।हालांकि श्रमबल में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ने के मामले में राज्यों और क्षेत्रों के बीच अंतर है। जैसे, बिहार और झारखंड के ग्रामीण इलाकों में महिला श्रमबल दर में भारी वृद्धि हुई। पूर्वोत्तर के राज्यों में भी महिला श्रमबल में वृद्धि देखी गयी। हालांकि पंजाब और हरियाणा में महिला श्रमबल दर में अधिक वृद्धि नहीं हुई। शोध रिपोर्ट से यह तथ्य भी सामने आया है कि झारखंड और राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में विवाहित महिलायें अविवाहित महिलाओं की तुलना में ज्यादा कामकाजी हैं।

शोध रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि महिला श्रमबल में 30–40 साल की महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक होती है। इससे अधिक उम्र की महिलायें काम करना बंद कर देती हैं, जबकि पुरुष की श्रमबल में हिस्सेदारी 30 से 50 वर्ष के बीच ऊंची बनी रहती है। कुल मिलाकर, यह शोध रिपोर्ट ग्रामीण भारत में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और उनमें महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बारे में बताती है।

सत्र बिना खर्च विरोध प्रदर्शन का बड़ा मंच

सुरेश शर्मा

सत्र चाहे लोकसभा का हो या विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं का उसके मायने ही बदल गये। पहले के दौर की बात करें तो विधायक सवाल पूछने की तैयारी करते थे? अपने सभी सूत्र खंखालते थे। सवाल पूछवाने के लिए लोग भी विधायक के पास पहुंचते थे। उत्साह का वातावरण होता था। दूसरी तरफ सरकार सवाल का समय आने पर सर्त्तक हो जाती थी। अधिकारियों में एक विशेष प्रकार का डर दिखता था। कुछ खास किस्म के कर्मचाारियों को जवाब तैयार करने के लिए लगाया जाता था। वे फाइलों को इसलिए खंखालते थे क्योंकि यदि विधायक ने कुछ अतिरिक्त पूछ लिया तो? मंत्री को हर स्थिति के लिए तैयार किया जाता था। मंत्री की भी ब्रिफिंग की जाती थी। मतलब यह है कि विधानसभा सत्र आने से पहले ही प्रशासन दुरूस्त हो जाता था। एक होता है काम रोको प्रस्ताव। अपने ही दल के विधायकों में इस बात की होड़ लगती थी कि इस विषय की सूचना सबसे पहले कौन दे? गेट के सामने कतारें लगती थी। जाने–माने विधायक सुबह–सुबह गेट के पास दिख जाते थे? मीडिया भी यह देखता था कि स्थगन में किसका नाम पहले पढ़ा गया? लेकिन आजकल यह सब गायब हो गया? चलो तकनीक का युग है लेकिन इसमें भी मंत्रालय की हलचल भी क्यों गायब हो गई?

अब तो अधिकारी लम्बी तानकर सो रहे हैं? विधायक सवाल ही अब क्षेत्रीय अधिकारियों से पूछकर लगाते हैं? कई बार तो सवाल पूछकर या ध्यानाकर्षण लगाकर चर्चा के समय गायब हो जाते हैं? बड़ा बदलाव आ गया। अब सरकार केवल दो ही विषयों पर सोचती है कि सरकारी कामकाज पर सदन की मुहर लगवा ली जाये। विधानसभा अध्यक्ष उसमें सरकार की मदद करते हैं। वे हंगामें के समय महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हां की जीत हुई, हां की जीत हुई कह कर पारित कर देते हैं। न कोई बोलता चाहता है न कोई इस बात पर रूचि रखता है कि कोई बोले? सत्र समाप्त करने की मानसिकता शुरू होने वाले दिन से ही प्रभावी हो जाती है? आखिर सरकार का यह बेरूखापन क्यों है? यहां विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही संदिग्ध है। विपक्ष की मंशा सरकार को घेरने की बिलकुल ही नहीं है। उसकी सोच हो गई है कि जितने दिन भी सत्र चले अपने एजेंडे को पूरा किया जाये। क्योंकि बिना किसी भी खर्च के विरोध प्रदर्शन करने का सबसे सुलभ मंच विधानसभा का सत्र होता है। इसमें जिसे सुनाना है वह सरकार भी है। जिससे लिखवाना है वह मीडिया भी है। भीड़ जुटाने की मेहनत भी नहीं है?इन सभी बातों से लोकतंत्र की मर्यादा खत्म हो रही है। विपक्ष हंगामा करता है। मीडिया विरोध तलाशता है और अधिकारी चैन की तान कर सोता है। क्योंकि उसका आडिट ही नहीं हो रहा है। सरकार अपना काम कराकर सत्र समाप्त करने की फिराक में रहती है। इन सभी परिस्थितियों के बीच मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र आ ही रहा है? विपक्ष इसी प्रकार की योजना बना रहा है। सरकार को सदन में घेरने का मतलब होता था सवालों से निरूत्तर करना? अब अपने राजनीतिक एजेंडे पर हंगामा करना सरकार को घेरना हो गया? चलो एक खेला देखने के लिए तैयार हो जाते हैं?

विपक्षी दलों की छींटाकशी और दुष्प्रचार

स्कूलों में निशुल्क पढ़ाई की व्यवस्था करवाई जा रही है। इसके लिए डबल इंजन सरकार पैसा उपलब्ध करवा रही है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के बजट सत्र के छठे दिन विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर यह कहा। विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है, हर बच्चा योग्यता के अनुसार आगे बढ़े और राष्ट्र के विकास में योगदान करे। हर बच्चे को हम उत्तम शिक्षा देने को कृतसंकल्प हैं जिससे वे मजहबी शिक्षा तक न सीमित रहें, बल्कि हम उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और साहित्यकार बनाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। योगी ने समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक मॉडल पर सवाल दागते हुए इसे महज ढोंग ठहराया।

महाकुंभ को लेकर विपक्षी दलों की छींटाकशी और दुष्प्रचार पर उन्होंने कहा कि सपा सदस्यों का आचरण उपहास, विरोध और अंत में स्वीकृति के माध्यम से उजागर हो गया। गंगा जल की शुद्धता को लेकर उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए योगी ने इसे अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया। अल्कलाइन पानी में महत्त्वपूर्ण खनिज संभावित लाभों के मद्देनजर मिले होते हैं।

हालांकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिबूनल को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा था कि गंगा–यमुना के पानी में तय मानकों से कई गुना ज्यादा फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया है जो स्नान तो क्या आचमन के योग्य भी नहीं है। परंतु इसको गंभीरता से लेने की बजाय कुतकरे द्वारा खारिज करने में राज्य सरकार समेत पूरा महकमा जुट गया है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि मुख्य विपक्षी दल होने के नाते सपा योगी सरकार को लगातार निशाने पर रखती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव विभिन्न मौकों पर सोशल मीडिया के जरिए योगी पर आरोपों की बौछार करने से चूकते नहीं। नामालूम कारणों से धन्यवाद भाषण में योगी अधिकतर इन्हीं आरोपों पर व्यंग्य बाण छोड़ते नजर आए। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हुए शोर–शराबे और टिप्पणियों को उन्होंने असंवैधानिक बताया। जो सही भी है। जनता द्वारा चुने गए नुमाइंदों को अपनी बात रखने के लिए भाषाई मर्यादा और व्यवहार में लचीलापन रखना चाहिए। देखने में आया है कि विभिन्न विधानसभाओं ही नहीं संसद में भी विपक्ष का रवैया असंसदीय होता जा रहा है।

अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद से भारत को रक्षा व्यापार में फायदा मिलने की उम्मीद

वसी जैदी

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद बढ़ा है। उसका फायदा भारत को मिल सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए ने यूरोप को नए सिरे से तनावग्रस्त कर दिया।

ऐसा पहली बार हुआ है कि नाटों के देश रूस या चीन की बजाय आपस में ही लडने् लगे हैं। वैसे इस अभूतपूर्व स्थिति के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेंस्की भी जिम्मेदार है। दरअसल, पिछले दिनों जिस तरह से ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हुई थी, उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता रोक दी है। अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इससे यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था अचानक ध्वस्त हो जाएगी और रूस के साथ उसका लडना् मुश्किल हो जाएगा। 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा पूर्ण युद्ध शुरू करने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन को 180 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता दी है, जिसमें से 66.5 बिलियन डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता शामिल है। अमेरिका ने रूस से जंग की शुरुआत के बाद से यूक्रेन की लगभग 20 $फीसदी सैन्य आपूर्ति प्रदान की है, और इसमें सबसे घातक और महत्वपूर्ण उपकरण शामिल हैं।

यूक्रेन को अमेरिका सिर्फ हथियार और गोला–बारूद ही नहीं बल्कि और भी बहुत कुछ देता रहा है। यूक्रेनी सैनिक मोर्चे पर संदेशों के आदान–प्रदान के लिए एलन मस्क के स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम पर निर्भर हैं। रूस के अहम ठिकानों पर हमला करने के लिए भी यूक्रेन को अमेरिकी खुफिया एजेंसी से मदद मिलती है। अगर अमेरिका सैटेलाइट आदि से मिलने वाले डेटा को यूक्रेन के साथ साझा करना बंद करता है तो इससे रूस पर जवाबी हमला करने की यूक्रेन की क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा। यूक्रेन के बाकी सहयोगी चाहकर भी इस मामले में उसकी मदद नहीं कर पाएंगे। यह कड़वी हकीकत है कि अमेरिका की मदद के बिना यूरोप भी उसकी बहुत दिनों तक मदद नहीं कर पाएगा। यह हकीकत जेलेंस्की भी अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए वो ट्रंप से अच्छे रिश्ते की गुहार लगा रहे हैं। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति को बड़बोलापन दिखाने से पहले यह सब सोचना था कि उनकी इस हरकत के कारण यूक्रेन और यूरोप का कितना नुकसान हो रहा है ?

बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और यूरोप के बीच की इस दरार से भारत को फायदा हो सकता है। दरअसल, नाटो में शामिल यूरोपीय देश मोटे तौर पर अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर करते हैं। नाटो की सुरक्षा के लिए अमेरिका ही सबसे ज्यादा खर्चा करता है। अब डोनाल्ड ट्रंप नाटो से भी निकलने के धमकी दे रहे हैं। यदि अमेरिका नाटो से हाथ पीछे खींचता है, तो यूरोपीय देशों को अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी। उन्हें अपनी सेनाओं को मजबूत करने के लिए बड़ी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद खरीदने होंगे। इसमें भारत एक बड़ा सप्लायर बनकर उभर सकता है। भारत तेजी से अपनी डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग और डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़ा रहा है। यूरोपीय देशों के पास कम कीमत में हथियार खरीदने के लिए भारत एक बेहतर विकल्प होगा। जाहिर है

भारत अपनी मजबूत डिफेंस इंडस्ट्री के साथ यूरोपियन यूनियन की डिफेंस इंडस्ट्री सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दरअसल,भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट एक दशक पहले सिर्फ 2,000 करोड़ रुपये सालाना था, जो अब 21,000 करोड़ रुपये हो गया है। 2024 में कई कंपनियों ने गोला–बारूद मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए निवेश शुरू किया है। देश में कम से कम सात नए प्लांट लग रहे हैं, जो विभिन्न ग्रेड के गोला–बारूद का उत्पादन करेंगे। यूरोप से आने वाली डिमांड से हमारी डिफेंस इंडस्ट्री कई गुना बढ़ जाएगी। कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भारत के रक्षा निर्यात के लिए अपने आप अनुकूल हो रही हैं।

द वेकिंग ऑफ ए नेशन का ट्रेलर जारी, सामने आएगा जलियांवाला बाग हत्याकांड का सच

जाने–माने निर्देशक और निर्माता राम माधवानी इन दिनों अपनी वेब सीरीज द वेकिंग ऑफ ए नेशन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस शो में जलियांवाला बाग हत्याकांड से जुड़े कई पहलुओं को दिखाया जाएगा। इसमें तारुक रैना और निकिता दत्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने द वेकिंग ऑफ ए नेशन का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें जलियांवाला बाग हत्याकांड के दौरान हुए दंगों और भारत की स्थिति की झलक दिख रही है। द वेकिंग ऑफ ए नेशन का प्रीमियर 7 मार्च, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने जा रहा है। इसमें तारुक और निकिता के अलावा साहिल मेहता, भावशील सिंह, एलेक्स रीस और पॉल मैकइवान जैसे कई कलाकार भी अभिनय करते दिखाई देंगे। शांतनु श्रीवास्तव और शत्रुजीत नाथ और राम माधवानी ने मिलकर इस शो को लिखा है। बता दें कि राम माधवानी को नीरजा और आर्या जैसी वेब सीरीज के लिए जाना जाता हैं।

नादानियां का नया पोस्टर जारी

शाउना गौतम के निर्देशन में बन रही फिल्म नादानियां को दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहा हैं।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म में इब्राहिम की जोड़ी खुशी कपूर के साथ बनी है। आर्चीज और लवयापा के बाद यह उनके करियर की तीसरी फिल्म है।

अब निर्माताओं ने नादानियां का नया पोस्टर जारी कर दिया है। नए पोस्टर में इब्राहिम और खुशी की खूबसूरत केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। वह दोनों अपने–अपने परिवार के सदस्यों के साथ नजर आ रहे हैं।

फिल्म में खुशी के पिता सुनील शेट्टी बने हैं तो वहीं उनकी मां की भूमिका महिमा चौधरी निभा रही हैं। उधर, इब्राहिम के पिता के किरदार में जुगल हंसराज दिखेंगे तो वहीं उनकी मां दिया मिर्जा बनी हैं।

गुजरात टाइटन्स ने मैथ्यू वेड को सहायक कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, आईपीएल 2022 के विजेता गुजरात टाइटन्स (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें संस्करण से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर मैथ्यू वेड को सहायक कोच नियुक्त किया है। वेड कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच आशीष नेहरा, बल्लेबाजी कोच पार्थिव पटेल और सहायक कोच आशीष कपूर और नरेंद्र नेगी के साथ शामिल होंगे।

गुजरात टाइटन्स ने एक्स पर पोस्ट किया, चैंपियन। फाइटर। अब हमारे सहायक कोच! जीटी डगआउट में आपका स्वागत है, मैथ्यू वेड! 37 वर्षीय वेड 2022 में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में जीटी की खिताब जीतने वाली टीम के सदस्य थे और फिर 2024 में, जहां उन्होंने केवल तीन मैच खेले। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, जिन्होंने 15 आईपीएल मैच खेले हैं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आईपीएल मेगा नीलामी का हिस्सा नहीं थे। वेड ने पिछले साल अक्टूबर में 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 200 से ज्यादा मौकों पर खेल चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर मौके उन्होंने दो सफेद गेंद वाले फॉर्मेट में खेले हैं। टी20 विश्व कप 2021 के विजेता ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 36 टेस्ट मैच, 97 वनडे और 92 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने वनडे और टी20 टीमों की कप्तानी भी की है। आईपीएल का आगामी संस्करण 22 मार्च से शुरू होगा, जिसमें गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना सीजन के पहले मैच में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। टाइटन्स अपने अभियान की शुरुआत 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान में पंजाब किंग्स के खिलाफ करेंगे।

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू के लिए तैयार सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड में दबंग, तेवर जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म जटाधारा में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। जटाधारा में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। अपकमिंग फिल्म जटाधारा के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, पुष्पा 2: द रूल के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए। मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की। ह्यजटाधाराह्न एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं।

ऑटिस गिब्सन केकेआर के सहायक कोच बने

नईदिल्ली, वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज ऑटिस गिब्सन को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2025 के लिए अपना सहायक कोच बनाया है। वह रयान टेन डेशकाटे की जगह लेंगे, जो अब भारत के सहायक कोच हैं। गत विजेता केकेआर ने हाल ही में अजिंक्य रहाणे को अपना नया कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया था। पिछले साल के उनके मेंटॉर गौतम गंभीर और तेज गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल भी भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जबकि खिताब जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर भी अब पंजाब किंग्स के साथ हैं। इससे पहले केकेआर ने ड्वेन ब्रावो को अपना मेंटॉर बनाया था।

इंडियन वेल्स: 5 बार के चैंपियन जोकोविच पहले मैच में हारे

इंडियन वेल्स, पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को (आईएसटी) को इंडियन वेल्स ओपन के पहले दौर में लकी लूजर बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वैन डे जैन्डसचुल्प ने जोकोविच को 6–2, 3–6, 6–1 से हराकर अपनी बढ़ती हुई दिग्गज किलिंग प्रतिष्ठा में इजाफा किया। वह इंडियन वेल्स में जोकोविच को हराने वाले लगातार दूसरे लकी लूजर बन गए। जोकोविच लगातार अपना तीसरा मैच हार गए, जो आखिरी बार 2018 में चोट से प्रभावित सीजन के हिस्से के रूप में हुआ था। उन्होंने 2025 में भी चोटों का सामना किया है, ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए ऑफिस का एक बुरा दिन था। मैं टेनिस के स्तर के लिए खेद व्यक्त करता हूं, क्योंकि मैं इन दिनों जिस तरह से अभ्यास करता हूं, वह बहुत ही खराब है। सेंटर कोर्ट और अन्य कोर्ट के बीच बहुत अंतर है। जोकोविच ने कहा, बॉल सेंटर कोर्ट पर कुछ सबसे ऊंचे क्ले कोर्ट से भी ऊंची उछल रही थी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में रिटायर होने, दोहा ओपनर में माटेओ बेरेटिनी से हारने और अब वैन डे जैन्डसचुल्प से हारने के बाद, यह दूसरी बार है जब जोकोविच 2008 सीजन (2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन–मियामी) की शुरुआत के बाद से लगातार तीन मैच हारे हैं।

एक नजर

कुष्ठ रोगियों को वितरित की सामग्री

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः दर्पण वेलफेयर सोसाइटी ब्रह्मपुरी बालासौड़ की ओर से काशीरामपुर तल्ला में कुष्ठ रोगियों को खाद्य सामग्री व मिष्ठान वितरित किया गया। सदस्यों ने कुष्ठ रोगियों की सेवा का संकल्प लिया।

कुष्ठाश्रम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वहां रह रहे बच्चों को पढ़ाई के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। सदस्यों ने आश्रम में रह रहे विद्यार्थियों को पढ़ाई में मदद का भी भरोसा दिया। कहा कि बच्चों की पढ़ाई के लिए संस्था गंभीरता से कार्य करेगी। इस मौके पर सोसाइटी की किरन जुयाल, ज्योति नैनवाल, रवींद्र सिंह नेगी, शुभम सिंह, अमन कुकरेती आदि मौजूद रहे।

11 मार्च को माकपा का विद्युत विभाग में धरना

नई टिहरी। माकपा के जिला सचिव भगवान सिंह ने कहा कि उत्तराखंड की डबल इंजन सरकार चोर दरवाजे से बिजली का संपूर्ण तरह से निजीकरण करने जा रही है। जिसका सीधा नुकसान राज्य के गरीबों, किसानों और मध्यवर्गीय परिवारों को होगा। यही नहीं तथाकथित स्मार्ट मीटर को लेकर जो बड़े–बड़े दावे किए जा रहे हैं। वह उपभोक्ताओं के साथ एक धोखा है। एक अनुमान के अनुसार स्मार्ट मीटर की कीमत 7500–10500 के बीच है। जिसकी कीमत भी जनता को चुकानी पड़ेगी। हमारे राज्य की जनता ने ऊर्जा प्रदेश बनाने में कड़ी मेहनत कर विस्थापन का दंश झेला है। भारी कुर्बानी के बाद ऊर्जा प्रदेश बना किन्तु डबल इंजन सरकार अपने कॉरपोरेट आकाओं के हितों के लिए उत्तराखंड को बर्बाद करने को तुली हुई है। माकपा ने लोगों से 11 स्मार्ट मीटर के खिलाफ 11 मार्च को धरने में शामिल होने की अपील की है।

रुद्रप्रयाग–चोपता–पोखरी मार्ग में नहीं हैं डेंजर जोन की सुरक्षा के इंतजाम

रुद्रप्रयाग। हाईवे के अलावा कई ब्रांच सड़कें आज भी ऐसी हैं जहां वाहनों की सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। भले ही वाहन चालक कितना भी संभलकर चलें किंतु दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। रुद्रप्रयाग–चोपता–पोखरी मोटर मार्ग भी इन्हीं सड़कों में शामिल हैं जहां कई जगहों पर डेंजर जोन में पैराफीट नहीं है। कुंडा दानकोट में अब तक हुई दुर्घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यालय से तल्लानागपुर और पोखरी क्षेत्र के अनेक गांवों को जोड़ने वाली प्रमुख रुद्रप्रयाग–चोपता–पोखरी मोटर मार्ग में कई जगह डेंजर जोन बने हैं। क्षेत्रीय लोगों को सड़क में कई बार मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई बार यहां दुर्घटनाएं होने से बाल बाल बची हैं जबकि कुछ डेंजर जोन में दुर्घटनाओं में जनहानि का नुकसान हुआ है। कुंडा दानकोट में ही बीते कुछ सालों में हुई दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते दिन हुई स्कूटी दुर्घटना में भी यदि सड़क किनारे पैराफीट होता तो तीन युवकों की जान बच सकती थी। कई जगहों पर सड़क की स्थिति भी खराब है। सामाजिक कार्यकर्ता संपन्न नेगी, चोपता व्यापार संघ के अध्यक्ष योगम्बर कुनियाल, कोल्लु भन्नू के निर्वतमान प्रधान दीपक सिंह राणा, पूर्व प्रधान कुलदीप राणा आदि ने कहा कि रुद्रप्रयाग–चोपता–पोखरी मोटर मार्ग पर कई डेंजर जोन है। सरकार, प्रशासन और लोनिवि द्वारा लगातार सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। लोगों द्वारा कई बार सड़क पर पैराफीट लगाने की मांग की गई है किंतु आज तक पैराफीट नहीं लगे हैं।

सड़क के अधिकांश भाग के निचले क्षेत्रों में गहरी खाई होने से सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए ताकि वाहन दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने शीघ्र ही उक्त सड़क पर डेंजर जोन पर पैराफीट लगाने की मांग की है।

विशेष शिविर में लोगों को किया जागरूक

चमोली। बीएड कॉलेज जिलासू में आयोजित पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग के विशेष शिविर में स्वयंसेवियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर सामाजिक जागरूकता फैलाई। शिविर में रिया को ऑलराउंडर स्वयंसेवी घोषित किया गया, जबकि शालिनी और अस्मिता को सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक कलाकार तथा रोहित व दिव्या को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी के रूप में पुरस्कृत किया गया ' स्वयंसेवियों ने जिलासू व गिरसा में स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली, आर्थिक सर्वेक्षण और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इसके साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां भी दी गईं ' मुख्य अतिथि जिला संयोजक योग प्रशिक्षक शिवदर्शन नेगी ने कहा कि शिविर में सीखे गए अनुभवों को अपने जीवन में अपनाने से युवा अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

शोपीस बनी स्ट्रीट लाइट, अंधेरे में वार्ड

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड में लगी स्ट्रीट लाइट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में रोशनी के लिए लगाई गई स्ट्रीट लाइट केवल शो–पीस बनकर रह गई है। नतीजा, रात के अंधेरे में आमजन का आवागमन करना भी मुश्किल हो गया है। शिकायत के बाद भी नगर निगम स्थिति को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। सबसे अधिक परेशानी जंगल से सटे वार्डों में बनी हुई है।

तीन वर्ष पूर्व नगर निगम ने 48 लाख की लागत से वाडी में दो हजार स्ट्रीट लाइट लगवाई गई थी। स्ट्रीट लाइट लगने के कुछ दिन तो वार्डों में खूब रोशनी रही। लेकिन, वर्तमान में अधिकांश स्ट्रीट लाइट शोपीस बन चुकी है। ऐसे में वार्डों में चारों ओर अंधेरा छाया रहता है। रात के समय लोगों का सड़क पर गलियों में चलना भी मुश्किल हो जाता है। कुंभीचौड़ निवासी मोहन सिंह रावत, राजेंद्र कुमार ने बताया कि नगर निगम बेहतर विकास के दावे कर रहा है। लेकिन, एक स्ट्रीट लाइट तक ठीक नहीं करवाई जा रही है। निगम की कई स्ट्रीट लाइट तो सुबह के समय प्रकाश फैलाती हैं और रात के अंधेरे में बंद हो जाती हैं। हालांकि, कुछ दिन पूर्व नगर आयुक्त वैभव गुप्ता ने शहरवासियों को जल्द समस्या के निराकरण का आश्वासन भी दिया है।

जगंली जानवरों का खतरा

जंगल से सटे लालपानी, रामपुर, सनेह, ध्रुवपुर, ग्रास्टनगंज, गिवईस्त्रोत, सिगड्डी, झंडीचौड़ क्षेत्र में लाइट खराब होने से जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। कई बार जंगली जानवर रात के अंधेरे में मार्ग पर आ धमक जाते हैं। बावजूद इसके नगर निगम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। यही नही वार्ड में कई स्थानों पर आस-पास दो–तीन लाइटें लगी हुई हैं, जबकि जिन जगहों पर सबसे अधिक अंधेरा है, वहां पर लाइट नहीं लगाई गई हैं।

दुर्घटना के बाद मौके पर खड़ा क्षतिग्रस्त वाहन

वाहनों की टक्कर, चार घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शनिवार रात कौड़िया के समीप एक कार व मैक्स की टक्कर हो गई। दुर्घटना में चार लोगों को चोटिल हो गए। एक युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किय गया है। देर शाम को कौड़िया में एक कार व मैक्स में टक्कर हो गई। दुर्घटना में स्टेडियम बस्ती निवासी अरविंद, शिवपुर निवासी देवेंद्र प्रसाद, पौड़ी निवासी सलीम अली व शिब्बूनगर निवासी जावेद घायल हो गए। सभी घायलों को राजकीय बेस हास्पिटल लाया गया, जहां से जावेद की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

शिविर में शिक्षकों को दी टूल्स के उपयोगिता की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः समग्र शिक्षा परियोजना के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों को टूल्स के उपयोगिता व उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय नगर क्षेत्र नंबर-6 में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जहरीखाल व दुगड्डा के 31 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

सूचना संचार एवं प्रौद्योगिकी का शिक्षा में प्रयोग विषय पर आधारित शिविर में संसाधनों की आधारभूत जानकारी दी गई। जिनमें प्रमुख रूप से गूगल ड्राइव, क्लाउड स्टोरेज, गूगल डॉक्स, गूगल फॉर्म्स, स्प्रेडशीट, गूगल स्लाइड्स, जिओजेब्रा, गूगल मीट, गूगल कैलेंडर आदि एप्लिकेशन और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की जानकारी दी गई। इस मौके पर उप शिक्षाधिकारी अमित कुमार चंद, शिक्षक सुनील पंवार, प्रकाश चौधरी, नफीस अहमद, मोहन सिंह गुसाईं, राम सिंह रावत, बीरेंद्र पंत, नागेंद्र डोबरियाल, विजयलक्ष्मी काला, जयपाल भंडारी, सत्यपाल सिंह, विभा रावत, रविंद्र प्रसाद, देवेंद्र सिंह रावत, चंद्रमोहन सजवान, अंजली कंडवाल, विजिया ममगाईं, देवेन्द्र नेगी, सुधीर बिष्ट, विमल किशोर, इंगिता नेगी, संतोष भंडारी, ललिता रावत, सुधा रावत, सुरेन्द्र रावत, सुधीर अग्रवाल, उमेश वर्मा, सुरेंद्र सिंह, सुमित्रा आर्य, सरला चमोली, संतोष कुमार, जगमोहन नेगी, अरविंद कुमार, मनोज चौहान आदि मौजूद रहे।

गुलदार की धमक दहशत में ग्रमीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कफोलस्यूं पटटी के पल्ली मल्ली गांव में गुलदार का आतंक बना हुआ है। आए दिन गांव के पास गुलदार दिखाए देने से ग्रामीण डर के खौफ में जीने को मजबूर है। वहीं, वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गांव में टीम द्वारा लगातार गश्त करने के साथ ही लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पल्ली मल्ली गांव के ग्राम प्रधान प्रशासक जयवीर रावत ने बताया कि गांव में आए दिन गुलदार की धमक से ग्रामीण परेशान हैं। शाम होते ही गुलदार गांव के नजदीक दिखाई दे रहा है। जिससे ग्रामीण शाम होते ही घरों में दुबकने को मजबूर हैं।

कहा कि गांव के कई स्थानों में सोलर लाइट नहीं होने से अंधेरे में आवाजाही करने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से गांव में सोलर लाइट लगाने व गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई है।वहीं, नागदेव पौड़ी रेंज के रेंजर दिनेश नौटियाल ने बताया कि गांव में वन विभाग की टीम द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों को अंधेरे में जरूरी काम होने पर ही दो या चार लोगों के साथ आवाजाही करने को लेकर जागरूक किया जा रहा है।

मीनाक्षी व प्रियांश को मिला बेस्ट एथलीट का पुरस्कार

जयन्त प्रतिनिधि।

रिखणीखाल प्रखंड के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा को सम्मानित करते प्राचार्य

कोटद्वारः भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में मीनाक्षी व प्रियांश को बेस्ट एथलीट का खिताब दिया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ प्राचार्य डा.मनोज उप्रेती ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। क्रीड़ा प्रतियोगिता की शुरुआत छात्रा वर्ग में बैडमिंटन से हुई, जिसमें मीनाक्षी ने प्रथम, काजल ने द्वितीय व अमीषा ने तृतीय स्थान पाया। 100 मीटर दौड़ में महक ने प्रथम, खुशी ने द्वितीय व अर्चना ने तृतीय स्थान पाया। भाला फेंक में मीनाक्षी प्रथम, अमीषा द्वितीय व काजल तृतीय रहे। छात्र वर्ग में प्रियांशु ने कैरम बोर्ड, बैडमिंटन व भाला फेंक में प्रथम स्थान पाया। रोहित ने कैरम बोर्ड, बैडमिंटन व भाला फेंक में द्वितीय स्थान पाया। इस मौके पर डा.विपिन पंवार, डा.महेश चंद्र आर्य, डा.प्रशांत, डा.भारती, डा.लक्ष्मी जोशी, सुनील दत्त, मनोज किशोर आदि मौजूद रहे।

फाइनल मुकाबले को लेकर उत्साह, टीवी पर टिकी रही निगाहें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भारत व न्यूजीलैंड के बीच हुए आईसीसी चैंपियंस ट्रांफी–2025 के मुकाबले को लेकर कोटद्वार में भी काफी उत्साह दिखा। दोपहर बाद लोगों की निगाहे टीवी पर ही चिपकी हुई थी। बाजार में भी बहुत कम भीड़ दिखाई दी।

दोपहर दो बजे के बाद मैच शुरू होते ही लोग घरों में टीवी पर चिपक गए थे। बाजार में भी अधिकांश प्रतिष्ठान बंद ही नजर आए। जिन व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान खोले भी थे वह मोबाइल व टीवी पर मैच देखते हुए नजर आए। मैच के शुरूआत में भारतीय टीम की गेंदबाजी को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह बना हुआ था। जैसे ही गेंदबाजों ने विकेट चटके घर–घर में खुशी का माहौल दिखाई दिया। हर कोई मैच के स्कोर को लेकर चर्चा करते हुए नजर आए। बच्चे, युवा व बुजुर्ग हर कोई फाइनल मुकाबले को लेकर उत्साहित दिखाई दिया।

जिस राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूरे दिन वाहनों की आवाजाही रहती है वह रविवार को मैच के दौरान सूना पड़ हुआ था।

कार्रवाई पर भड़का शिक्षक संघ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ ने खंड शिक्षा अधिकारी थलीसैंण द्वारा इंटर कालेज बैजरों के केंद्र व्यवस्थापक को हटाने में की गई कार्रवाई को पूर्वाग्रह से ग्रसित बताया। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी के अन्यत्र स्थानांतरण की मांग शिक्षा विभाग से की है। रविवार को हुई प्रांतीय व जिला कार्यकारिणी पौड़ी की ऑनलाइन बैठक में वक्ताओं ने खंड शिक्षाधिकारी द्वारा इंटर कालेज बैजरों के केंद्र व्यवस्थापक को हटाने में की गई कार्रवाई को पूर्वाग्रह से ग्रसित बताया, उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी के अन्यत्र स्थानांतरण की मांग शिक्षा विभाग से की है। बैठक में संघ के अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा व प्रांतीय महामंत्री जगमोहन रावत ने कहा कि पौड़ी के थलीसैंण ब्लाक में खंडशिक्षाधिकारी के द्वारा राइंका बैजरों के केंद्र व्यवस्थापक को हटाने की कार्यवाही को पूर्वाग्रहों से ग्रसित है। कहा कि प्रदेश में अधिकारियों की मनमानी नहीं चलेगी। गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय रावत ने बताया कि बैजरों के केंद्र व्यवस्थापक दीनदयाल बिष्ट स्कूल के प्रति एक समर्पित अध्यापक हैं उन्हें खंड शिक्षा अधिकारी बीरोखाल से सर्वश्रेष्ठ अध्यापक का अवार्ड भी मिला है। खंड शिक्षा अधिकारी थैलीसैंण द्वारा की गई कार्यवाही को उन्होंने अनुचित व नियम विरुद्ध बताया।

चरस और स्मैक तस्करी में तीन आरोपी गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग। नशाखोरी के खिलाफ पुलिस, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग सहित अनेक विभागों के आपसी तालमेल से अभियान चला रही है। इसी को लेकर पुलिस ने अभी तक तीन अलग–अलग मामलों में चरस एवं स्मैक की तस्करी के अभियुक्त गिरफ्तार किए हैं। साथ ही उनके खिलाफ न्यायिक कार्यवाही जारी है। जबकि जनपद के विद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं के 100 मीटर की परिधि में तम्बाकू, गुटखा जैसे पदार्थों की बिक्री को लेकर छापेमारी अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान को लेकर जिले में कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने बताया कि जिले में नशाखोरी के साथ साथ अवैध रूप से हो रही अफीम, खस–खस, एवं पोस्त आदि की खेती को रोकने के लिए सख्त कार्यवाहियां की जा रही हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधित नशीली गोलियों/दवाइयों की बिक्री रोकने के लिए लगातार छापेमारी की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस एक्ट 1985 में गठित नार्को–समन्वय केंद्र के चलते केंद्र, राज्य एवं जिला स्तर की गतिविधियों का एकीकरण हुआ है जिससे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों का सुदृढ़ीकरण हुआ है। बताया कि विद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं के 100 मीटर की परिधि में तम्बाकू, गुटखा जैसे पदार्थों की बिक्री होने को लेकर संयुक्त छापेमारी की जाए एवं ऐसा करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए।इधर, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने बताया कि जनपद में मादक पदार्थों के तस्करों एवं नशाखोरी पर निगरानी एवं नियंत्रण के लिए जनपद के बॉर्डर एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार चैकिंग अभियान चल रहा है। बताया कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध खेती के मामले बहुत कम ही देखने को मिलते हैं और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जनमानस को जागरूक करने के लिए स्कूलों, विद्यालयों, ग्राम, कस्बों, विभिन्न मेलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जनजागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे से दूर रहने की अपील की। एनडीपीएस एक्ट के तहत पकड़े जाने पर आर्थिक दंड़ एवं 10 वर्ष तक की सजा के प्रावधान हैं। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली एवं एंटी नारकोटिक्स टाक्स फोर्स के पूर्व प्रभारी मनोज नेगी ने बताया कि चरस, गांजा, भांग, कोकिन पाउडर, स्मैक, एलएसडी एवं नशीले इंजेक्शन इत्यादि नशीले पदार्थों की श्रेणी में आते हैं और उत्तराखण्ड पुलिस ऐप पर ऑनलाइन या 112 डायल करके भी आम नागरिक मादक पदार्थों के खिलाफ चल रही इस मुहिम में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

बड़मा महोत्सव 26 से 28 मार्च तक

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के बड़मा पट्टी में तीन दिवसीय बड़मा कृषि एवं सांस्कृतिक मेले को लेकर मेला समिति की रविवार को बैठक आयोजित की गई, जिसमें मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही मेले को भव्य बनाने पर जोर दिया गया।

मेला स्थल दिगधार में आयोजित बैठक मेला समिति अध्यक्ष विशम्बर रावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर निर्णय लिया गया कि 26, 27 और 28 मार्च को तीन दिवसीय बड़मा कृषि पर्यटन एवं सांस्कृतिक मेले का आयोजन किया जाएगा। बैठक में बड़मा पट्टी की जनता से मेले में सहयोग देने का भी आह्वान किया गया। वहीं मेले की भव्यता को लेकर समिति के पदाधिकारियों को भी चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण योगदान देने का अनुरोध किया गया। मेले का जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए जिला प्रशासन से विभागीय स्टॉल लगाने का भी आग्रह करने पर सहमति बनाई गई। साथ ही निर्णय लिया गया कि जल्द ही इस संबंध में एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा। मेले में स्थानीय सांस्कृतिक कलाकारों को भी मंच देने का फैसला लिया गया।

पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका अहम

रुद्रप्रयाग। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर विकासखंड अगस्त्यमुनि के ग्वाड़ थापली में शिखर अरविंद शिक्षण समिति रुद्रप्रयाग द्वारा आयोजित पर्यावरण के साथ ही संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महिलाओं की भूमिका पर गोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल सुंदरियाल ने कहा कि पहाड़ की अस्मिता को बचाने में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और जंगलों को बचाने की मुहिम को अर्न्तराष्ट्रीय फलक पर महिलाओं के योगदान को पहचान दिलाने वाली गौरा देवी आज पूरे विश्व में पर्यावरण संगठनों की प्रेरणाश्रोत है। इस मौके पर ग्राम सभा ग्वाड़ थापली की 103 वर्षीया वरिष्ठ समाज सेवी भाना देवी पत्नी मोती सिंह नेगी का सम्मान करते हुए संस्था की अध्यक्ष डॉ हेमावती पुष्पवान ने कहा कि विकासखंड के इस सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में क्षेत्र की वरिष्ठतम समाजसेवी भाना देवी के सम्मान से गौरवान्वित है। कार्यक्रम में महिलाओं की पर्यावरण और जल जीवन मिशन की सफलता में योगदान देने की अपील करते हुए संस्था के सचिव विनोद कप्रवान ने जल के महत्व पर गहन प्रकाश डाला।

पारंपरिक व आधुनिक उत्पादों की लगाई प्रदर्शनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः महिला दिवस पर लालपुर क्षेत्र में डेल टेक्नोलाजी, लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन की ओर से सोलर कम्यूनिटी हब्स इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं की ओर से पारंपरिक व आधुनिक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसकी क्षेत्रवासियों ने प्रशांसा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ पार्षद नेत्र मोहन असवाल ने किया। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे स्टालों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं ने गढ़वाली गायन व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। प्रदर्शनी में पहाड़ी नमक, झंगोरा की खीर, पहाड़ी अचार, मुरब्बा, नूडल्स, मोमोज, पिज्जा-पास्ता सॉस और विभिन्न प्रकार के पारंपरिक एवं आधुनिक परिधान शामिल थे। इस अवसर पर सीएससी सेंटर की संचालिका ममता नैथानी द्वारा महिलाओं को डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन व्यापार के बारे में जानकारियां दी गईं। कहा कि हम अपने उत्पादों को भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी बेच सकते हैं। इस मौके पर सीएससी से ममता नैथानी, मनोज नैथानी, रिंकी सजवाण, मनीष तिवारी आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेती महिलाएं

देवप्रयाग में मंत्री अग्रवाल के खिलाफ प्रदर्शन

नई टिहरी। उत्तराखण्ड क्रांति दल का कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ रविवार को भी प्रदर्शन हुआ। आक्रोशित उक्रांद कार्यकर्ताओं ने टिहरी देवप्रयाग मार्ग स्थित जामणीखाल में प्रेमचंद अग्रवाल का पुतला दहन किया और विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी के खिलाफ नारेबाजी की। केंद्रीय संगठन मंत्री डीडी पंत की अगुवाई में जामनीखाल बाजार में नारेबाजी करते जुलूस निकाला गया। उक्रांद कार्यकर्ताओं ने भाजपा पर पहाड़ी समाज की भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाते कहा कि कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल पर कार्यवाही के बजाय भाजपा ने उन्हें केंद्रीय वित्तीय समिति में स्थान दिया है। मगर उक्रांद इस आंदोलन को कैबिनेट मंत्री अग्रवाल को हटाये जाने तक जारी रखेगी। प्रदर्शन में केंद्रीय संगठन मंत्री विपिन रावत, शशि बंगवाल, विमला बहुगुणा, महाजन पंवार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल थे।

नई टिहरी के सुरगंगा संगीता स्कूल में कलाकारों ने दी प्रस्तुति

नई टिहरी। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से विवेक मेमोरियल सुरगंगा संगीत विद्यालय मोलधार में आयोजित कार्यशाला में गढ़वाल के मांगल और बाजूबंद की जानकारी दी गई।

कहा कि यह दोनों गीत गढ़वाल काफी प्रसिद्ध रहे हैं। जिनकी प्रस्तुतियां शुभ कार्यों पर दी जाती थी। लेकिन अब धीरे–धीरे मांगल और बाजूबंद विलुप्त होने लगे हैं। सुरगंगा संगीत विद्यालय में आयोजित 15 दिवसीय कार्यशाला का नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने समापन करते हुए कहा कि हमें आधुनिक कल्चर में अपनी बोली, भाषा, संस्कृति और रीति रिवाजों को नहीं भूलना चाहिए।

व्यापारियों की बैठक में विभिन्न समस्याओं पर हुई चर्चा

नई टिहरी। रविवार को उद्योग व्यापार मंडल न्यू टिहरी की एक अहम बैठक सुमन पार्क संपन्न हुई। जिसमें व्यापारी हितों को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए मांगों को लेकर शासन–प्रशासन को अवगत कराने का निर्णय हुआ। बैठक में निर्णय हुआ कि नई टिहरी के व्यापारियों के हितों को देखते हुए यात्रा सीजन में सभी वाहनों को चंबा से नई टिहरी बीपुरम होते हुए भेजा जाए या वन वे किया जाए। केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी वाला मैदान सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए रिक्त रखा जाय। नई टिहरी में पार्किंग का नव निर्माण कार्य करवाया जाए। मुख्य बाजार को आपस में जोड़ने के लिए एक सूक्ष्म पुल का निर्माण कार्य करवाया जाए। चंबा, नई टिहरी, बीपुरम, खांडखाला व कोटी कॉलोनी का होल्डिंग एवं बैनर के माध्यम से व्यापकर प्रचार–प्रसार कार्य किया जाय। चंबा नई टिहरी मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण किया जाए। नई टिहरी से बोराड़ी–बोराड़ी से कोटी कालोनी तक रोपवे का निर्माण कार्य करवाया जाए। बाजार के सभी शौचालयों की साफ–सफाई व्यवस्था ठीक की जाय। नई टिहरी में कूड़े का बिल 100 से घटाकर 50 प्रति माह किया जाए। नई टिहरी में पेट्रोल पंप एवं मदिरा की दुकान खोली जाये।

एक नजर

कर्णप्रयाग और गौचर में गाए होली के गीत

चमोली। रविवार को कर्णप्रयाग में होली मिलन व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान होली के गीत गाए गए और कवियों ने कविताओं के माध्यम से होली के रंग बिखेरे। कार्यक्रम में लोगों ने रंग लगाकर आपस में शुभकामनाएं दी। इस मौके पर हरिकृष्ण भट्ट, दिनेश जोशी, रामकृष्ण भट्ट आदि थे। वहीं, गौचर में होली महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक गायकों ने होली के गीत गाए। इस मौके पर जनकल्याण लोक सेवा मंच के अध्यक्ष सुनील पंवार, पालिकाध्यक्ष संदीप नेगी, हरिकृष्ण भट्ट, व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल, वीरपाल सिंह, नारायण चौधरी, विनीत रावत, पूनम रावत, मुकेश नेगी, वेदांत टाकुली, कुशाल नेगी, शिवचरण बिष्ट, सुनील शाह, आनंद कंडारी, मनोज नेगी, मनीष कोहली, लोक गायक प्रदीप बुटोला, सुशीलराज, मोहित सती, अनुराग शाह एवं भोलेनाथ कीर्तन मंडली, मां कलिंका कीर्तन मंडली, जय मां देवराड़ी कीर्तन मंडली, जय मां कालिंका मंडली और भट्टनगर के लोगों द्वारा होली के लोक गीत व भजन गाये गये।

विधायक ने किया डमार पुल का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि ब्लाक के भीरी डमार मोटरमार्ग पर निर्माणाधीन 48 मीटर स्टील गार्डर मोटरपुल का केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने निरीक्षण किया जबकि संबंधित विभागीय अधिकारी एवं ठेकेदार को गुणवत्ता के साथ पुल निर्माण का कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। इसी मोटर पुल को लेकर बीते दिनों ग्रामीणों द्वारा यहां 17 दिनों तक आंदोलन किया गया। जिसके बाद विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। वहीं दूसरी ओर विभागीय स्तर पर पुल का कार्य भी शुरू किया गया था। डमार गांव को जोड़ने के लिए भीरी के नीचे मन्दाकिनी नदी पर 48 मीटर स्टील गार्डर पुल के निर्माण को लेकर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अफसरों को समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

पुलिस ने की स्थानीयों के साथ बैठक की

नई टिहरी। देवप्रयाग क्षेत्र में पुलिस ने होली पर्व को लेकर व्यापारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में थाना प्रभारी दीपक लिंगवाल ने होली पर्व को सुरक्षित और सुचारु रूप से मनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि होलिका दहन केवल पहले से चिह्नित स्थानों पर करें। नए स्थान पर होलिका दहन न करें। साथ ही उन्होंने किसी पर जबरदस्ती रंग न डालने, होली के दौरान हुड़दंग, जुलूस व नारेबाजी से बचने की सलाह दी। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि नाबालिगों को कोई वाहन न दें। ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं नदी किनारे होली न खेलने की अपील की। बैठक में व्यापार सभा कार्यकारी अध्यक्ष विनोद टोडरिया, टेक्सी मैक्स यूनियन अध्यक्ष विक्रम रावत, आशीष भट्ट, धीरेंद्र सिंह, भगवान सिंह, विजय भट्ट, अनिल लिंगवाल आदि मौजूद थे।

माकपा ने की 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर किया मंथन

रुद्रप्रयाग। माकपा की लोकल कमेटी रुद्रप्रयाग की बैठक में पार्टी के 24वें राष्ट्रीय समेलन को लेकर चर्चा की गई। साथ ही पार्टी सदस्यों को सम्मेलन में पहुंचने को लेकर जानकारी दी गई। मुख्यालय स्थित कालीकमली धर्ममशाला में आयोजित बैठक की अध्यक्षता पार्टी जिला सचिव मंडल के सदस्य नरेन्द्र रावत ने की। राज्य सचिव मंडल के सदस्य राजाराम सेमवाल व जिला मंत्री वीरेन्द्र गोस्वामी बतौर पर्यवेक्षक बैठक में मौजूद रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राजाराम सेमवाल ने कहा कि पार्टी का 24वां राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 2 से 6 अप्रैल तक तमिलनाडु के मुदरई में होगा, जिसके लिए पूरे देशभर में प्रचार अभियान चल रहा है। उन्होंने पार्टी सदस्यों को राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रमुख दस्तावेजों की जानकारी दी। जबकि आने वाले पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी भी दी। जिला मंत्री वीरेन्द्र गोस्वामी ने कहा कि बिजली बोर्ड के निजीकरण के सवाल को लेकर माकपा रुद्रप्रयाग एवं ऊखीमठ प्रदर्शन करेगी। भाजपा की डबल इंजन की सरकार चोर दरवाजे से बिजली का संपूर्ण तरीके से निजीकरण करने जा रही है। जिससे आर्थिक कमजोर किसानों, मजदूरों एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने सरकार पर पूंजीपतियों के दवाब में कार्य करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 110.56 करोड़ की लागत से 19 विकास कार्यों का शुभारंभ एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने किया रोड शो में प्रतिभाग, लोगों ने फूल वर्षा व पुष्प मालाओं से किया स्वागत

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को काशीपुर में भव्य रोड शो कर कार्यक्रम स्थल नगर निगम पहुंचे। रोड शो में मुख्यमंत्री धामी का काशीपुर की जनता, विभिन्न संगठनों, जनप्रतिनिधियों ने पुष्पवर्षा, मालाओं, पुष्पगुच्छ से भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने काशीपुर नगर निगम में आयोजित अभिनंदन समारोह में 48.61 करोड़ की लागत के 7 विकास कार्यों का शिलान्यास व 61.95 करोड़ की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान कुल 110.56 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री ने के.वी.आर अस्पताल से धनौरी तक व बिजनेस इन होटल से परमानन्दपुर लिंक मार्ग तक मार्ग चौड़ीकरण, डिवाइडर निर्माण, वृक्षारोपण, भूमिगत विद्युतिकरण तथा स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य किये जाने। नगर निगम काशीपुर के सम्पूर्ण परिसर में पी.पी.पी. मोड़ में निगम कार्यालय भवन, आवासीय परिसर एवं शॉपिंग काम्पलैक्स का निर्माण कार्य किये जाने। नगर निगम काशीपुर के नवीन निर्मित 17 वार्डों में अवस्थापना सुविधाओं सड़क, नाला/नाली, विद्युत एवं पार्क निर्माण कार्य कराये जाने। राजकीय कन्या जूनियर हाईस्कूल, काशीपुर (छोटी जी०जी०आई०सी०) परिसर नगर निगम को हस्तानान्तरित करते हुये मुख्य बाजार मार्ग चौड़ीकरण एवं पार्किंग युक्त शापिंग काम्पलैक्स का निर्माण कराये जाने। वार्ड नं0-05 में शहरी विकास विभाग की भूमि पर गौशाला निर्माण कराये जाने। काशीपुर उप जिलाधिकारी कार्यालय के निकट राजकीय भूमि पर सर्किट हाउस बनाये जाने। काशीपुर स्पोटर्स स्टेडियम का आधुनिकीरण एवं पुनर्निर्माण कर नगर निगम काशीपुर द्वारा संचालन किये जाने। मुख्यमंत्री घोषणा संख्या-500 का विस्तारीकरण कर गिरीताल सरोवर में साईकिल पैदल ट्रैक निर्माण, नौकायन, सजावटी विद्युती करण, सरोवर के अन्दर स्तम्भ निर्माण आदि कार्य किए जाने। तथा सरोवर का प्रबन्धन नगर निगम, काशीपुर को सौप जाने व राजकीय बालिका इण्टर कालेज का आधुनिकीकरण कर देवभूमि के राज्य स्तरीय मॉडल कन्या इण्टरमीडिएट विद्यालय के रूप में विकसित किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए काशीपुर में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर काशीपुर की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनभावनाओं के अनुरूप और राज्य के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। विधानसभा में उत्तराखंड का भू कानून के लिए विधेयक पारित किया जा चुका है। राज्य की जनभावनाओं के अनुरूप सख्त भू कानून लाया जा रहा है। समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है। यूसीसी महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नया अध्याय लिख रहा है और महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार काशीपुर की जनता द्वारा जताए गए भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेगी और विकास कार्यों को तीन गुना गति से आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में आज हमने काशीपुर के सर्वांगीण विकास हेतु लगभग 111 करोड रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये सभी परियोजनाएँ न केवल इस क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारा राज्य विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जहां एक ओर, राज्य के शहरों से लेकर सुदूर पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर, हम राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि हम केदारखंड की भांति ही मानसखंड में स्थित कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के भी पुनरुत्थान एवं सौंदर्गीकरण हेतु संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने जहां एक ओर काशीपुर के चौती मंदिर को मानसखंड कॉरिडोर का हिस्सा बनाया है, वहीं हम यहां के विभिन्न प्राचीन मंदिरों

और शिवालयों के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण हेतु भी निरंतर प्रयास कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से काशीपुर के समग्र विकास को सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज हमने जहां एक ओर अमृत योजना के अंतर्गत 37.50 करोड़ रुपए की लागत से 18 एम.एल.डी. सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया है, वहीं, काशीपुर को स्वच्छ एवं सुंदर नगर बनाने के उद्देश्य से 14.29 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना का शिलान्यास भी किया है। यही नहीं, आज हमने काशीपुर क्षेत्र में विभिन्न मोटर मार्गों के पुनर्निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण और शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, काशीपुर नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं के माध्यम से शहर को आधुनिक बुनियादी ढांचे और बेहतर नागरिक सुविधाओं से सुसज्जित करने हेतु भी विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से 1100 करोड़ रुपए की लागत से औद्योगिक हब परियोजना एवं 100 करोड़ की लागत से अरोमा पार्क परियोजना भी संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के अन्य क्षेत्रों की भांति काशीपुर में भी हम लखपति दीदी योजना और सौर स्वरोजगार योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित करने हेतु प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा आज देश में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकारें हैं, जिनमें प्रत्येक काम के पूरा होने की पूरी गारंटी होती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों के उत्थान एवं समृद्धि हेतु भी संकल्पित होकर निरंतर कार्य कर रही है। एक ओर, उपज बढ़ाने हेतु तकनीकी के प्रयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ही प्रमुख फसलों पर बढ़ी हुई एमएसपी देकर किसानों की आय में बढ़ोत्तरी सुनिश्चित की जा रही है, वहीं दूसरी ओर, किसानों को 3 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के देने के साथ ही दुग्ध उत्पादन, मधु उत्पादन, कृषि एवं बागवानी और मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा फार्म मशीनरी बैंक योजना के माध्यम से कृषि उपकरण खरीदेने हेतु 80 फीसदी तक की सब्सिडी दी जा रही है। प्रदेश में गेहूं खरीद पर कृषकों को प्रति क्विंटल 20 रूपए का बोनस देने के साथ-साथ गन्ने के रेट में भी 20 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की है। उन्होंने कहा कि मुझे ये बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद अब तक गन्ना किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से जो राशि भेजी गई है, वो पिछले 22 वर्षों में भेजी गई राशि से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा किसानों के लिए नहर से सिंचाई को बिल्कुल मुफ्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम खाद्यान्न खेती के साथ ही सगंध खेती को भी बढ़ावा देने के लिए 6 एरोमा वैली विकसित करने पर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से रुकी हुई जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना फिर से प्रारंभ हो चुकी है, जिसका लाभ काशीपुर सहित संपूर्ण तराई क्षेत्र को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है, इसी का परिणाम है कि आज हमारा राज्य नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरे देश में प्रथम स्थान पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने में भी हम अग्रणी राज्य बनकर उभरे हैं, हमने एक वर्ष में बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाने में सफलता प्राप्त की है, जो राष्ट्रीय औसत से भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय वोटबैंक की राजनीति के चलते हमारे राज्य की डेमोग्राफी के साथ सुनियोजित तरीके से खिलवाड़ करने का कार्य किया गया था, लेकिन, अब देश और प्रदेश में मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार है, जो देवभूमि उत्तराखंड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने हेतु पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। इसी संकल्प के साथ, हमने प्रदेश में घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है, साथ ही प्रदेश में सख्त दंगारोधी और धर्मांतरण विरोधी कानूनों को भी लागू किया है।

लापरवाही बरतने वाले अफसरों को मिलेगी प्रतिकूल प्रविष्टि

– स्मार्ट मीटर से जुड़ी हर शंका का तत्काल होगा समाधान स्मार्ट मीटर लगा चुके उपभोक्ताओं के आते रहेंगे फिजिकल बिल

देहरादून। उत्तराखंड में सरकारी, निजी प्रतिष्ठानों के साथ ही घरों में भी बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू हो गया है। ऐसे में पेश आने वाले छोटी छोटी दिक्कतों के तत्काल समाधान के निर्देश एमडी यूपीसीएल ने अफसरों को दिए। निगरानी, समस्या के समाधान में लापरवाही, टालमटोल करने वाले अफसरों को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर दंडित किया जाएगा।

रविवार के दिन यूपीसीएल मुख्यालय में समीक्षा बैठक करते हुए एमडी अनिल कुमार ने बताया कि प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के बिल डिस्ट्रीब्यूशन में उपभोगताओं की सुविधा के लिए फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले की ही तरह फिजिकल बिल दिए जाते रहेंगे। आरडीएसएस योजना के तहत प्राथमिकता पर सरकारी प्रतिष्ठानों, ऑफिस, भवनों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के काम में तेजी लाई जाए। बैठक में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के 31 मार्च तक के लक्ष्य भी तय किए गए।

कहा कि सभी उपभोक्ताओं को बिल समय पर उपलब्ध कराए जाएं। जिन उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, वहां पूर्व की ही तरह फिजिकल बिल अग्रिम आदेशों तक बांटे जाएंगे। जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर और ईमेल उपलब्ध हैं, उन्हें फिजिकल बिल के साथ साथ एसएमएस, ईमेल के माध्यम से भी बिल उपलब्ध होते रहेंगे। ताकि राजस्व वसूली को गति मिलती रहे।

डिजिटल बिल को मंजूरी देने को विद्युत नियामक आयोग से ली जाएगी मंजूरी स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके उपभोक्ताओं को डिजिटल बिल भेजे जाने को मंजूरी ऊर्जा निगम की ओर से विद्युत नियामक आयोग से ली जाएगी। इसके लिए एमडी यूपीसीएल ने अधिकारियों को आयोग के समक्ष याचिका दाखिल किए जाने के निर्देश दिए गए। स्मार्ट मीटर का यह कदम न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान करेगा, बल्कि भविष्य में ऊर्जा प्रबन्धन के तरीकों में भी सुधार लाएगा। यह पहल उपभोक्ताओं को बिजली उपयोग के प्रति जागरुक बनाएगी।

फुटबॉल ट्रायल में पहले दिन पहुंचे 70 खिलाड़ी

हल्द्वानी। कार्यालय संवाददाता अंडर-20 राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए रविवार से उत्तराखंड की टीम का चयन ट्रायल शुरू हो गया है। पहले दिन कुमाऊं मंडल के करीब 70 खिलाड़ियों ने ट्रायल दिया। ट्रायल प्रक्रिया 11 मार्च तक जारी रहेगी। होली के बाद चयनित खिलाड़ियों का कैंप शुरू होगा। छत्तीसगढ़ में 10 अप्रैल से 27 मई तक स्वामी विवेकानंद अंडर-20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन होना है। इसमें उत्तराखंड की टीम भी प्रतिभाग करेगी। जिसके लिए रविवार से हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में ट्रायल प्रक्रिया शुरू हुई। पहले दिन कुमाऊं मंडल के कुल 70 खिलाड़ी ट्रायल में पहुंचे।

खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के बाद सभी को अलग-अलग टीमों में बांटकर ट्रायल मैच कराया गया। जिसमें प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया गया।

भोजनमाता संगठन ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर महिला दिवस मनाया

हल्द्वानी। प्रगतिशील महिला एकता केंद्र और प्रगतिशील भोजन माता संगठन, पछास, क्रालोस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मजदूर महिला दिवस के अवसर पर रविवार को एक सभा का आयोजन किया गया। सभा बुद्ध पार्क में आयोजित की गई। सभा में स्थानीय महिलाओं और भोजन माताओं भागीदारी की । भोजनमाता यूनीयन से हेमा तिवारी ने कहा कि आज भी महिलाएं हर जगह दोयम दर्जे का जीवन जीने को मजबूर हैं। घर परिवार में जहां उन्हें पुरुषों से कमतर माना जाता है वहीं कारखाने और दफ्तरों में उन्हें पुरुषों से कम वेतन दिया जाता है ।पिछले 100 वर्षों में महिलाओं ने बहुत सारे अधिकार लड़कर हासिल किए हैं। सभा में महिलाओं की मुक्ति से जुड़े क्रांतिकारी गीत भी प्रस्तुत किए गए। सभा का संचालन प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की आरती गुप्ता ने किया। सभा में मंजू, भावना, साधना, पार्वती, बंसती , ज्योति, मंजू देवी टी०आर०पांडे, रियासत, वाशिद, रईस, चंदन, महेश व कई अन्य महिलाओं ने भी भागीदारी की।

कैबिनेट मंत्री के खिलाफ यूकेडी का प्रदर्शन

विकासनगर। उत्तराखंड क्रांति दल ने रविवार को डाकपत्थर तिराहे पर प्रदर्शन कर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को बर्खास्त करने की मांग की है। प्रदर्शन से पूर्व उक्रांद कार्यकर्ताओं ने विरोध रैली भी निकाली। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड के मूल निवासियों को अपशब्द कहना उत्तराखंडियत का अपमान है। डाकपत्थर तिराहे पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उक्रांद के केंद्रीय संरक्षक सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि पूरे उत्तराखंड समाज को और यहां के मूल निवासियों को इस तरह के गलत शब्दों का इस्तेमाल करने वालों, जो समाज को बांट कर मैदान और पहाड़ के बीच में खाई पैदा करना चाहते हैं, उनका पुरजोर विरोध करना चाहिए। पहाड़वासियों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग करने वालों को किसी कीमत पर सहन नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की राज्य विरोधी नीतियों का उक्रांद ने हमेशा विरोध किया है। यहां के मूल निवासियों को जो भी क्षति पहुंचाने की कोशिश करेगा और उनका अपमान करने की कोशिश करेगा, उसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा में जब विधायक लखपत सिंह बुटोला ने प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा पहाड़ियों के लिए कहे गए अपशब्दों के खिलाफ आवाज उठाई, तब विधानसभा अध्यक्ष ने जिस तरह उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया, वह निंदनीय है। ऐसा बर्ताव उनके पहाड़ी समाज के सम्मान के प्रति उनकी संवेदनहीनता को उजागर करता है।

कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए भरी हुंकार

विकासनगर। प्राविधिक कर्मचारी संघ की आम बैठक रविवार को ढकरानी में संपन्न हुई। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली समेत कर्मचारियों के अन्य मसलों का समाधान नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की गई। कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की जानी जरूरी है। इसके लिए सभी विभागों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। प्राविधिक कर्मचारी संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष शैलेंद्र ने कहा कि टीजी-दो और टीजी-एक के पदों का विलय कर पदनाम टेक्नीशियन किया जाना चाहिए। कहा कि इसकी मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन विभाग कर्मचारी ढांचे में परिवर्तन नहीं कर रहा है, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

पछुवादून में छाया होली का खुमार, रंगों का सजा बाजार

विकासनगर। होली के त्योहार को लेकर घरों में तैयारियां शुरू हो गईं हैं। त्योहार के मद्देनजर जहां घरों में महिलाएं गुझिया, मालपुआ व अन्य पकवानों के साथ विभिन्न व्यंजन को बनाने की तैयारी में हैं वहीं बाजार में रंग, अबीर, गुलाल, पिचकारी व टोपी की दुकानें सज गई हैं। खरीदार बाजारों में पहुंचने लगे हैं। मैजिक झाड़ू, गुब्बारा, मैजिक कलर, कार्टून वाली पिचकारी, बच्चों के मास्क, चश्मे वाली कैप, फैशनेबल ग्लब्स, बालों को बचाने वाली कैप, स्नो स्प्रे सहित अन्य भारतीय उत्पाद बाजार में मौजूद हैं। इस बार भारतीय खिलौने व होली के सामान बाजार में ज्यादा लाए गए हैं। जिन्हें लोग खूब पसंद कर रहे हैं। जो चालीस रुपये से लेकर पांच सौ रुपये तक बिक रहे हैं।

सिंथेटिक रंगों के दाम तो कुछ हद तक सस्ते हैं, लेकिन दुकानों पर मौजूद रंगों को प्राकृतिक बता कर ऊंचे दाम पर बेचा जा रहा है।अधिकांश लोग इस बार स्नो स्प्रे की खरीदारी में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। उनका मानना है कि यह केमिकलयुक्त रंग के बजाए काफी सुरक्षित है।

राजभवन में तीन दिवसीय वसंतोत्सव का हुआ भव्य समापन

देहरादून। देहरादून में तीन दिवसीय वसंतोत्सव का रविवार को समापन हो गया। वसंतोत्सव के इन तीन दिनों में बड़ी संख्या में लोगों ने पुष्पों के प्राकृतिक सौंदर्य और अन्य कार्यक्रमों का खूब आनंद लिया। वसंतोत्सव-2025 में इस वर्ष की चल वैजंती (रनिंग ट्राफी) आईआईटी रुड़की को मिली। गत वर्ष यह ट्रॉफी ओनजीसी को मिली थी। इस वर्ष आईआईटी रुड़की को 10 श्रेणियों में और उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्थान एवं पत्थरचट्टा को 03 श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुए। वसंतोत्सव में 15 श्रेणियों की 55 उप श्रेणियों में 165 पुरस्कार वितरित किये गये। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं, रंगोली तथा बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता, फोटो प्रतियोगिता आदि श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया। वसंतोत्सव-2025 के समापन अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि तीन दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी में भारी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग कर वसंत के इस उत्सव को जन-जन का उत्सव बनाया है। उन्होंने कहा कि इन तीन दिनों में राजभवन के चारों ओर हर्ष व उल्लास का वातावरण था, जिसमें लगभग 2.7 लाख लोगों ने वसंतोत्सव में प्रतिभाग किया। राज्यपाल ने कहा कि इस महोत्सव में तकनीकी और नवाचार का भी उपयोग किया गया जिससे इस उत्सव को और अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाया।

राज्यपाल ने कहा कि पुष्पों से अर्थव्यवस्था में वृद्धि और निश्चित ही समृद्धि आयेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में शहद, सुगंधित पौधों और फूलों के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं, जो राज्य की आर्थिक समृद्धि और ग्रामीण विकास में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों, महिलाओं और युवाओं की भागीदार ने वसंतोत्सव को विशेष बनाया है। समापन समारोह में राज्यपाल ने सभी विजेताओं, प्रतिभागियों तथा प्रदर्शनी के मुख्य आयोजक उद्यान विभाग, संस्कृति विभाग सहित सभी सहयोगी विभागों को इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस वसंतोत्सव-2025 में लोगों ने अभूतपूर्व भागीदारी की है। उन्होंने कहा कि माननीय राज्यपाल की प्रेरणा से यह वसंतोत्सव प्रतिवर्ष बेहतर तरीके से आयोजित हो रहा है, आने वाले समय में यह उत्सव और भी भव्य रूप लेगा। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर आईएमए, आईटीबीपी और होमगाड्र्स के पाइप बैंड के मधुर धुनों ने समापन समारोह को और आकर्षक बना दिया। उपस्थित दर्शकों ने जिसका पूरा आनंद लिया और पाइप बैंड की धुनों की सराहना की। कार्यक्रम में प्रथम महिला गुरमीत कौर, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता धामी, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण एस. एन. पाण्डे, अपर सचिव राज्यपाल स्वाति एस. भदौरिया, निदेशक उद्यान दीप्ति सिंह, अपर निदेशक डॉ. रतन कुमार सहित अनेक गणमान्य अतिथि, जनप्रतिनिधि तथा भारी संख्या में प्रदर्शनी में आये दर्शक भी उपस्थित थे।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338